RESEARCH PAPERS IN NATIONAL/INTERNATIONAL PEER REVIEWED JOURNAL/ CONFERENCE PROCEEDINGS

YEAR : 2020-21

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

July to September 2020
E-Journal
Volume I, Issue XXI

ISSN 2394-3807
E-ISSN 2394-3513
Impact Factor - 5.190 (2017)

Divya Shodh Samiksha

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

दिव्य शोध समीक्षा

Editor - Ashish Narayan Sharma

Office Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, NEEMUCH (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, Email : dssresearchjournal@gmail.com, Website : www.dssresearchjournal.com

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

DSS Divya Shodh Samiksha (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2394-3807, E-ISSN 2394-3513, Impact Factor - 5.190 (2017) July to Sept. 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXI 2

Index/अनुक्रमणिका

01. Index/ अनुक्रमणिका 02

02. Regional Editor Board / Editorial Advisory Board 07/08

03. Referee Board 09

04. Spokesperson's 11

05. Novel Strategy for Synthesis of ZnO Microparticles Loaded Cotton Fabrics and Investigation of their Antibacterial Properties (Renuka Thakur, Dr. S.K. Udaipure) 13

06. Indian Rural Market: A Potential To Heal GDP (Dr. Sandeep Kumar Agrawal) 15

07. Consumer Behaviour And Sustainable Deviopment In Tourism Industries (Dr. Vivek Kumar Mishra) 17

08. वैश्वीकरण – श्रम एवं रोजगार पर प्रभाव (डॉ. ए. के. पाण्डेय) 19

09. भारतीय समाज के सन्दर्भ में उपेक्षित बालक की संकल्पना – आधारभूत समस्याएं व सुझाव (श्रीमती ज्योति पांचाल मिश्रा) 22

10. नशे की प्रवृत्ति के कारण उत्पन्न समस्याओं का अध्ययन (मोहित पांचाल) 25

11. परंपरावादी शिक्षा व्यवस्था बनाम डिजिटल शिक्षा व्यवस्था (श्रीमती नीतिनिपुणा सक्सेना) 29

12. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में साइबर अपराध एवं कानून के प्रति जागरूकता : एक समाज शास्त्रीय अध्ययन (छिन्दवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में) (डॉ.पूजा तिवारी) 31

13. 15 वीं सदी से 1857 ई0 तक मुद्रण का राष्ट्रवाद के विकास में योगदान (प्रेमिका पंत) 33

14. भारत चीन संबंध वर्तमान परिदृश्य में (डॉ. रजनी दुबे) 34

15. देश के लोग स्वस्थ तो देश स्वस्थ (डॉ. सोनाली सिंह) 36

16. मुगलकालीन उद्योग एवं व्यवसाय (डॉ. सुनीता शुक्ला) 38

17. देश में बढ़ती बेरोजगारी एवं भ्रष्टाचार (कुलदीप) 40

18. भिखारी ठाकुर, जीवन और रंग विमर्श: एक अनुशीलन (अमित रंजन) 43

19. भारतीय संस्कृति (डॉ. सुनीता शुक्ला) 46

20. भारत में ग्रामीण विकास योजनाओं का स्वरूप एवं क्रियान्वयन (डॉ. विनिता भालसे, डॉ. गिरधारीलाल भालसे) 47

21. संवेदना के आदिम स्रोतों के बीच नये गीत स्वर का प्रस्फुटन (डॉ. हरि नारायण राम) 49

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

DSS Divya Shodh Samiksha (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2394-3807, E-ISSN 2394-3513, Impact Factor - 5.190 (2017) July to Sept. 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXI (31)

स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में साइबर अपराध एवं कानून के प्रति जागरूकता : एक समाज शास्त्रीय अध्ययन (छिन्दवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में)

डॉ. पूजा तिवारी *

शोध सारांश – साइबर अपराध एक ऐसा अपराध है जिसमें कम्प्यूटर और नेटवर्क शामिल है [illegible] सूचना प्रौद्योगिक अधिनियम 2000 में [illegible] प्रस्तुत शोध पत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में [illegible] प्राप्त करने का प्रयास किया गया है।

शब्द कुंजी – साइबर, साइबर इंटरनेट, कम्प्यूटर, अपराध

प्रस्तावना – वर्तमान समय में महिलाओं के विरुद्ध अपराध एक अन्तर्राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना हुआ है। [illegible] का शिकार बन जाती है।

शोध का क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धति – प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए छिन्दवाड़ा जिले के 14 शासकीय एवं 19 अशासकीय महाविद्यालयों में से [illegible] 300 उत्तरदाताओं का चयन [illegible] जानकारी प्राप्त की गई है।

शोध के उद्देश्य :

1. साइबर अपराध से तात्पर्य
2. साइबर अपराध के प्रकार
3. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता संबंधी जानकारी प्राप्त करना।
4. छात्राओं में [illegible] कम्प्यूटर के प्रति [illegible] जानकारी प्राप्त करना।

साइबर अपराध से तात्पर्य – [illegible]

साइबर अपराध के प्रकार – साइबर अपराध को दो तरीकों से वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. वे अपराध जिनमें कम्प्यूटर पर हमला किया जाता है, [illegible] Dos हमले आदि।
2. वे अपराध जिनमें कम्प्यूटर को एक हथियार/उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता है जैसे साइबर आतंकवाद, आई.पी.आर उल्लंघन, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी [illegible] आदि।

कम्प्यूटर अपराध के प्रकार – जानकारी चोरी करना, जानकारी मिटाना, [illegible] आदि।

साइबर अपराध के प्रकार – [illegible] (D Dos) [illegible] संबंधित अपराध।

* सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (समाजशास्त्र) शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला - छिन्दवाड़ा (म.प्र.) भारत

BY – DR. POOJA TIWARI

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

July to September 2020
E-Journal
Volume I, Issue XXXI

RNI No. – MPHIN/2013/60638
ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793
Impact Factor - 5.610 (2018)

Naveen Shodh Sansar

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

नवीन शोध संसार

Editor - Ashish Narayan Sharma

fice Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, NEEMUCH (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, Email : nssresearchjournal@gmail.com, Website www.nssresearchjournal.com

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July to September 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXI (2)

Index/अनुक्रमणिका

01. Index/ अनुक्रमणिका 02

02. Regional Editor Board / Editorial Advisory Board 07/08

03. Referee Board 09

04. Spokesperson 11

05. Environmental Pollution- Its Effects On Life And Public Health - A Case Study Of Bhopal City Area , M.P. (Manisha Singh) 13

06. Risk Factors Associated With Diabetes Mellitus During COVID19 (Varsha Mathur, Dr. Divya Dubey) 16

07. A Study of Madhya Pradesh State Co-operative Marketing Federation (MARKFED) (Ms. Meenakshi Shrivastava, Dr. Basanti Mathew Merlin) 20

08. Bioactive Entrapment and Targeting Using Nanocarrier Technologies (Renuka Thakur, Dr. S.K. Udaipure) 23

09. A Study of Customer's Perception with respect to Life Insurance Services of State Bank of India Life Insurance In Ujjain Division (Jitendra Sharma) 27

10. The Role of Professional Ethics in Teacher Education (Asmita Bhattacharya) 30

11. Synthesis And Photocatalytic Activity of $ZnO/H_3PW_{12}O_{40}$ – Supported Mordenite Composite (Renuka Thakur, Dr. S.K. Udaipure) 34

12. Effect of *Pterocarpus marsupium* (Vijayasaar) on Lipid Profile and Diabetic Quality of Life in Recent onset Type1 Diabetes (Dr. Bharti Taldar, Dr. Rohitashv Choudhary, Dr. Ritvik Agrawal, Dr. R.P. Agrawal) 37

13. वर्तमान परिदृश्य में साहित्य का अवदान (डॉ. वन्दना अग्निहोत्री) 45

14. ग्रामीण महिला सशक्तिकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी (डॉ.पूजा तिवारी) 48

15. कोराना काल (कोविड-19) में मानव स्वास्थ्य पर धूमपान (स्मोकिंग) का प्रभाव (डॉ. बसंती जैन) 50

16. छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक गीतों का सामाजिक संदर्भ (आदिवासी अंचल के तंत्र-मंत्र गीत) (एन.आर. साव, डॉ. (श्रीमती) बसंत नाग) 52

17. महिला सशक्तिकरण चुनौतियां और संभावनाएं (श्रीमती नीतिनिपुणा सक्सेना, श्रीमती ज्योति पांचाल मिस्त्री) 54

18. मीडिया और बाजारवाद (डॉ. सुनीता शुक्ला) 57

19. भारत में बढ़ती जनसंख्या एवं उसका आर्थिक प्रभाव (डॉ. ए. के. पाण्डेय) 58

20. जनजातियों का भौगोलिक विवरण (डॉ. डी.पी. शर्मा) 61

21. शिक्षा एवं शैक्षणिक पर्यावरण का सामाजिक पर्यावरण पर प्रभाव एक अध्ययन (अपराध के विशेष संदर्भ में) (डॉ. ओंकार सिंह मेहता) 63

22. मुगलकालीन आर्थिक परिवेश (डॉ. सुनीता शुक्ला) 66

23. कक्षा आठ के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता एवं विभिन्न रूचियों का तुलनात्मक अध्ययन (आगरा जनपद के जगनेर शहर के सन्दर्भ में) (मनीष कुमार, डॉ. प्रमिला दुबे) 68

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July to September 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXI (48)

ग्रामीण महिला सशक्तिकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी

डॉ.पूजा तिवारी*

शोध सारांश – महिला सशक्तिकरण से आशय महिलाओं की उस क्षमता से है जिससे उनमें वे योग्यता आ जाती है, जिससे वे अपने जीवन से जुड़े सभी निर्णय ले सकती है। साधारण शब्दों में महिला सशक्तिकरण का मतलब है कि महिलाओं को अपनी जिंदगी का फैसला करने की आजादी देना या उनमें ऐसी क्षमताएं विकसित करना ताकि वे समाज में अपना सही स्थान स्थापित कर सके। विश्व की आधी आबादी महिलाओं की है तथा वे कार्यकारी घंटों में दो तिहाई का योगदान करती है, किन्तु विश्व आय का मात्र दसवां हिस्सा वे प्राप्त कर पाती है तथा उन्हें विश्व संपत्ति में सौवें हिस्से से भी कम हिस्सा प्राप्त है। दूसरी ओर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संचार क्रांति के फलस्वरूप इलेक्ट्रानिक संचार सहित एक उद्योग के तौर पर एक उभरता हुआ क्षेत्र है। सूचना प्रौद्योगिकी ने पूरी धरती को एक गांव बना दिया है, वर्तमान में सूचना क्रांति से समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, प्रशासन, सरकार, उद्योग, ग्रामीण क्षेत्रों में कायापलट हो गया है। आज का समाज सूचना समाज कहलाने लगा है। वर्तमान में महिलाओं की संख्या रोजगार में लगातार बढ़ रही है किंतु उन्हें कम वेतन, असंतोषजनक हालात में काम करना पड़ता है। इस शोध पत्र के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका एवं महत्व पर प्रकाश डाला जावेगा।

शब्द कुंजी – सूचना प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण सामाजिक, स्वास्थ्य।

उद्देश्य :-

1. ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत महिलाओं की शैक्षणिक, पारिवारिक वैवाहिक दशा ज्ञात करना।
2. ग्रामीण महिला सशक्तिकरण में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका ज्ञात करना।
3. ग्रामीण क्षेत्र में संचालित महिला विकास कार्यक्रम की जानकारी एकत्र करना।
4. ग्रामीण महिलाएं को संचार सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न साधनों की जानकारी है की नहीं।

उपकल्पना :-

1. नवीन सूचना प्रौद्योगिकी के साधनों द्वारा ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक स्थिति में परिवर्तन किया जा सकता है।
2. सूचना तकनीक की सहायता से निर्धनता एवं बेरोजगारी को समाप्त किया जा सकता है।
3. जनसंख्या नियंत्रण पर विशेष बल देकर ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है।

समग्र एवं निर्देशन – अध्ययन का क्षेत्र छिन्दवाड़ा जिले की बिछुआ तहसील के [illegible] में निवासरत महिलाओं पर अध्ययन केन्द्रित है। बिछुआ के [illegible] मोही, नवलियापार, जाखावाड़ी, उन्हावाड़ी एवं लोहार बतरी गांव से उद्देश्यपूर्ण निर्देशन पद्धति से 300 महिलाओं का चयन कर उनसे तथ्य संकलित किये गए है।

संकलन का स्रोत – मुख्य रूप से साक्षात्कार, अनुसूची, अवलोकन द्वारा आंकड़ों का संकलन किया गया। इसके अतिरिक्त पूर्व लेख, पुस्तक, पत्र पत्रिकाएं एवं समाचार पत्र से भी जानकारी ली गई।

विश्लेषण – जनसंचार साधनों के अन्तर्गत रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, पत्रिकाएं आदि शामिल है। कृषक समाज पर रेडियो का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। वर्तमान में आकाशवाणी द्वारा कृषि चर्चा तथा महिलाओं से संबंधित अनेक कार्यक्रम प्रसारित किये जाते है। रेडियो एवं टी.वी. के द्वारा ग्रामीण महिलाओं के मानसिक विचारों में सशक्तिकरण, आर्थिक सशक्तिकरण तथा सामाजिक सशक्तिकरण दिखाई दे रहा है। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में भी साक्षर, शिक्षित महिलाओं की संख्या बहुतायत में है, अतः पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से भी ग्रामीण महिलाएं विश्व से जुड़ जाती है। जनसंचार के साधनों से उन्हें नवीन ज्ञान की प्राप्ति होती है एवं वो अद्यतन रहती है।

सारणी क्रमांक 01 : महिला सशक्तिकरण पर जनसंचार साधनों के प्रभाव के विषय में उत्तरदाताओं के विचार

	प्रभाव	संख्या	प्रतिशत
1.	महिलाओं के विचारों में परिवर्तन	84	28
2.	महिलाओं की आर्थिक स्थिति में मजबूती	36	12
3.	नवीन कृषि तकनीक का ज्ञान	42	14
4.	नवीन योजनाओं की जानकारी	33	11
5.	कृषि के प्रति सकारात्मक सोच का विकास	33	11
6.	कृषि उत्पादन में निरंतर वृद्धि	33	11
7.	अन्य	39	13

इस सारणी से स्पष्ट होता है कि 28 फीसदी उत्तरदाता यह मानते है कि जनसंचार साधनों के प्रभाव के कारण महिलाओं के विचार में परिवर्तन आया है। 12 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार आर्थिक स्थिति में मजबूती आई है। 14 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार कृषकों को नवीन कृषि तकनीकी का ज्ञान प्राप्त हुआ है। 11 प्रतिशत ने यह माना कि नवीन योजनाओं की जानकारी हुई है। 11 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार कृषि के प्रति सकारात्मक सोच का विकास हुआ है। 11 प्रतिशत ने माना कि

* सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (समाजशास्त्र) शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला -छिन्दवाड़ा (म.प्र.) भारत

BY – DR. POOJA TIWARI

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

October to December 2020
E-Journal
Volume I, Issue XXXII

RNI No. – MPHIN/2013/60638
ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793
Impact Factor - 5.610 (2018)

Naveen Shodh Sansar

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

नवीन शोध संसार

Editor - Ashish Narayan Sharma

Office Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, **NEEMUCH** (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, **Email** : nssresearchjournal@gmail.com, **Website** www.nssresearchjournal.com

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) Oct. to December 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXII 2

Index/अनुक्रमणिका

01. Index/ अनुक्रमणिका ... 02
02. Regional Editor Board / Editorial Advisory Board ... 06/07
03. Referee Board ... 08
04. Spokesperson ... 10
05. Floristic Analysis of Weed Apecies in Crops Fields of Tribal District Dhar, M.P. India (SL Muwel, SC Mehta) ... 12
06. Trends in Indian Food Processing Industry: Issues, Challenges and Ways Forward (Dr. Kiran Kumar P) ... 19
07. Synthesis and Biological Evaluation of some new Acid Hydrazones derived from 5 -Aldehydo Salicylic Acid (Malti Dubey (Rawat)) ... 26
08. Uncertain Historiography of Ajivakas (Dr. Ashish Kumar Chachondia) ... 29
09. Significance of SAARC (Dr. Shrikant Dubey) ... 32
10. Analysis of Women Empowerment in India (Dr. Indresh Pachauri) ... 34
11. Awareness and Attitude on Effects of Substance Abuse Among Adolescents (Dr. Usharani B.) ... 37
12. Zinc Oxie Nanoparticles in Cosmetic Products (Renuka Thakur, Dr. S.K. Udaipure) ... 40
13. Effects of COVID 19 on Indian Agriculture (Dr. Savita Gupta) ... 44
14. Linear, Instantaneous and Compound Growth Rates of Major Food-Grain Crops in India (Suresh Kumar, Sanjeev Kumar) ... 47
15. Dalchini and Its Benefits (Dr. Rajesh Masatkar) ... 51
16. Fixed Point Theorems for Quasi- Ontraction with Applications (Dhansingh Bamniya, Basanti Muzalda) ... 53
17. Study of Zooplankton density and physico-chemical parameters in Man dam district Dhar (M.P.) India (Dr. D. S. Waskel, Dr. K.S. Alawa) ... 55
18. चम्बल संभाग में बाल लिंगानुपात - एक तुलनात्मक विश्लेषण (पूनम वासनिक) ... 59
19. महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक स्थिति का अध्ययन (कोरोना वायरस के विशेष संदर्भ में) (डॉ. फरहत मंसूरी) ... 61
20. वर्तमान समय में हिन्दी नाटक (एन.आर. साव, डॉ. (श्रीमती) बसंत नाग) ... 64
21. आधुनिक पुस्तकालय प्रबंधन में गुणवत्ता : अवधारणा, उपादेयता एवं महत्व (ओमप्रकाश चौरे) ... 69
22. शिक्षित जनजाति राजनीतिक चेतना का आकलन (डॉ. भूरेसिंग सोलंकी) ... 71
23. पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी एवं चुनौतियां (धार जिले के कुक्षी तहसील के विशेष सन्दर्भ में) (डॉ. रेशम बघेल) ... 73
24. मध्यस्थम् एवम् सुलह अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत विवाद समाधान (रतन सिंह तोमर) ... 76
25. भारत में तृतीय लिंग की प्रस्थिती (डॉ.पूजा तिवारी) ... 78
26. कोरोना काल में मानव मुक्ति के मसीहा - गांधी जी (डॉ. वसुधा अग्रवाल) ... 80

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) Oct. to December 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXII (78)

भारत में तृतीय लिंग की प्रस्थिती

डॉ. पूजा तिवारी *

शोध सारांश – भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय का पौराणिक गाथा काल से एक लंबा इतिहास रहा है। महाभारत में भी शिखंडी एवं अर्जुन के बृहन्नला रूप का वर्णन मिलता है। ट्रांसजेंडर शब्द उन लोगों के लिए प्रयोग किया जाता है जिनकी एक लैंगिक पहचान या अभिव्यक्ति उस लिंग से अलग होती है ,जो उन्हें उनके जन्म के समय दी गई होती है। भारतीय संस्कृति और न्यायपालिका तीसरे लिंग को मान्यता देती है। इन्हें 'हिजड़ा' कहा जाता है। भारत में 15 अप्रैल 2014 को सुप्रीम कोर्ट ने एक तीसरे लिंग को मान्यता दी ,जो न पुरुष है और न ही स्त्री,यह कहते हुए कि 'तीसरे लिंग के रूप में ट्रांसजेंडर्स की मान्यता एक सामाजिक या चिकित्सा मुद्दा नहीं है ,बल्कि यह एक मानवाधिकार मुद्दा है।'

शब्द कुंजी – किन्नर ,सामाजिक , मानवाधिकार ,लिंग प्रस्थिति।

प्रस्तावना – ' किन्नर' शब्द का अर्थ क्या है ? इस प्रश्न के उत्तर अलग – अलग विद्वानों के द्वारा अलग–अलग तरह से दिए गए है। रिसर्च टी.पी. शर्मा के अनुसार शरीर एवं मन का तालमेल न होना ही किन्नर है। अर्थात यदि किसी व्यक्ति का शरीर स्त्री का है किंतु मन 'पुरुष' का है ,तो उम्र बढ़ने के साथ –साथ उसमें मानसिक द्वंद प्रारंभ हो जाता है ,और वह 'किन्नर' बन जाता है।

Transgender शब्द दो शब्दों से बना है - Trans + gender शब्द Trans का अर्थ के (उस) पार ,के परे ,दूसरी अवस्था में होता है है एवं gender का अर्थ 'लिंग' होता है। अर्थात् 'दूसरी अवस्था में लिंग'। यदि किसी व्यक्ति का जन्म स्त्रीलिंग माना गया है किंतु वह स्वयं को 'पुरुषों' के रूप में देखता है तो ऐसे व्यक्ति को ट्रांसमैन कहते है ,इसके विपरीत अवस्था में उसे ट्रांसवुमन कहते है।

अप्रैल 2014 में भारत के सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय कानून में ट्रांसजेंडर को 'तीसरा लिंग' अर्थात् Third gender घोषित किया। न्यायमूर्ति के.एस.राधाकृष्णन ने अपने फैसले में कहा कि 'शायद ही कभी ,हमारे समाज को उस आघात ,पीड़ा और दर्द का एहसास होता है ,जिससे ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य गुजरते हैं ,और न ही लोग ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को जन्मजात भावनाओं की सराहना करते है ,विशेष रूप से जिनके मन और शरीर ने उनके जैविक लिंग को अपनाने से इंकार कर दिया है।'

भारत में किन्नरों की स्थिति – भारत में किन्नरों को सामाजिक तौर पर बहिष्कृत ही कर दिया जाता है। उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल नहीं किया जाता है। क्योंकि समाज में लैंगिक आधार पर विभाजन की पुरातन व्यवस्था चली आ रही है ,जिसके अनुसार केवल स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग अर्थात् स्त्री एवं पुरुष समाज के अभिन्न अंग हो सकते है। किन्नरों को कई प्रकार के द्वंद से जूझना पड़ता है यथा मानसिक द्वंद सामाजिक द्वन्द्व ,परिवार के लोगों से द्वन्द्व ,पड़ोसियों से उपेक्षा,स्कूल –कॉलेज में उपहास आदि। द्वितीयक स्त्रोतो से ज्ञात होता है कि भारत में 95 प्रतिशत किन्नर बाल्यकाल में यौनशोषण का शिकार होते है जिसमें उनके पारिवारिक सदस्य चचेरे भाई, अंकल, पड़ोसी आदि शामिल होते है ,लगभग 80 प्रतिशत किन्नर अपने जीवनकाल में आत्महत्या का प्रयास भी करते है। किन्नर स्कूल के उपेक्षापूर्ण वातावरण के कारण स्कूल का त्याग कर देते हैं ,ट्रांसजेंडर मितवा संकल्प समिति की विद्या राजपूत मैडम के अनुसार किन्नरों में से केवल 2 प्रतिशत किन्नर ही समाज द्वारा स्वीकार किये जाते है ,40 प्रतिशत किन्नर हाईस्कूल से ड्राप आउट हो जाते है ,मात्र 1 प्रतिशत ही विवाह कर पाते है तथा शत प्रतिशत मौखिक शोषण का शिकार बनते है। इनका परिवार नहीं होता है। लगभग 1000 बच्चों में से एक बच्चा जन्मजात किन्नर होता है. सुप्रीम कोर्ट द्वारा किन्नर को मान्यता देने वाला भारत सातवाँ देश बन गया है।

किन्नर के प्रकार – किन्नरों के मुख्य प्रकारों में 'सखी संप्रदाय' एवं 'शिवशक्ति संप्रदाय' होते है। जो क्रमश : मंदिर में किन्नर तथा शिव के उपासक किन्नर होते है। विद्या राजपूत जी के अनुसार जन्म से बच्चा एक लिंग में रहता है किंतु धीरे –धीरे शरीर एवं मन में अलगाव होता है ,और वह किन्नर बन जाता है।

किन्नरों की समस्या – भारत में लगभग पांच लाख किन्नर बसते है ,जिन्हें सबसे बड़ी यातना यह झेलना पड़ता है कि समाज उन्हें स्वीकार्य नहीं करता है। वर्तमान समय में कोरोना संकट के कारण रेलगाड़ी बंद होने,कार्यक्रम न के बराबर ,उत्सव न होने के कारण किन्नर समुदाय गरीबी से जूझ रहा है। किन्नरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है. किन्नर परिवार के साथ नहीं रह सकते है। इनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक स्थानों पर पहुंच समाज द्वारा प्रतिबंधित है। इन्हें समाज की मुख्य धारा में अभी तक शामिल नहीं किया गया है। इन्हें यौन शोषण ,गंभीर बीमारियाँ उपहास, अशिक्षा, जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। सबसे मुख्य बात इनकी समाज में कोई प्रस्थिति नहीं होती है. और विवाह नहीं होता है. समाज में विवाह को मान्यता देकर ही प्रस्थिति का आंकलन किया जाता है. मनुष्य अपनी प्रस्थिति बनाने के लिए समाज के सभी नियमों का पालन करता है और प्रस्थिति बनाने कुछ भी कर सकता है।

प्रोफेसर दिवाकर शर्मा के अनुसार किन्नर पैदा नहीं होते, मानसिकता के कारण किन्नर बन जाते है। विवाह न होने के कारण समाज ताने देता है लोग किन्नरों से दूर रहना चाहते है। परिवार जब इन्हें घर से निकाल देते है तब ये 'गुरू' के पास रहने जाते है, जहाँ पर ये लोग अपने ही जैसे लोगों के

* सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (समाजशास्त्र) शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला - छिन्दवाड़ा (म.प्र.) भारत

BY – DR. POOJA TIWARI

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

International Journal of Multidisciplinary Educational Research

ISSN: 2277-7881
JISRAF Impact Factor: 6.514
Index Copernicus Value: 5.16
International Scientific Indexing Value: 2.286
Published by: Sucharitha Publications
Visakhapatnam -530 003, Andhra Pradesh – India
Email: victorphilosophy@gmail.com
Mob: 09247782851

Certificate of Publication

Dear Author(s) DR. KAVITA CHAHAL

Greetings from IJMER

It is indeed our pleasure to inform you that your article titled "NEP- 2020: Quality Policy for Quality Academic Research" has been published in our Peer Reviewed and Referred International Journal of Multidisciplinary Educational Research (IJMER) Volume (10), Issue 8 (2), August (Month)……………… (Year), with JISRAF Impact Factor 6.514, Index Copernicus Value 5.16 & International Scientific Indexing Value: 2.286, of IJMER Published by Sucharitha Publications, Visakhapatnam. On behalf of IJMER, we hope to build a life long association with you and expect your continuous support. We hope to receive your contribution in terms of paper submissions and subscriptions as well. It will be our pleasure to collaborate with you for future endeavors and promotion of the initiatives carried out by IJMER. UGC approved Journal: Serial No: 41602(2017) and Registered in Publons Group (Web of Science) and Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A (UP).

Thanks & Regards

Sincerely Yours

Dr. K. VICTOR BABU
Editor-in-Chief
International Jernal of Multidisciplinary Educational Research-ISSN: 2277-7881
Visakhapatnam-530 003, A.P-India

2277 - 7881

Social Sciences, Humanities, Commerce & Management, Engineering & Technology, Medicine, Sciences, Art & Development Studies and Law
www.ijmer.in

Published by- Dr. Kavita Chahal

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

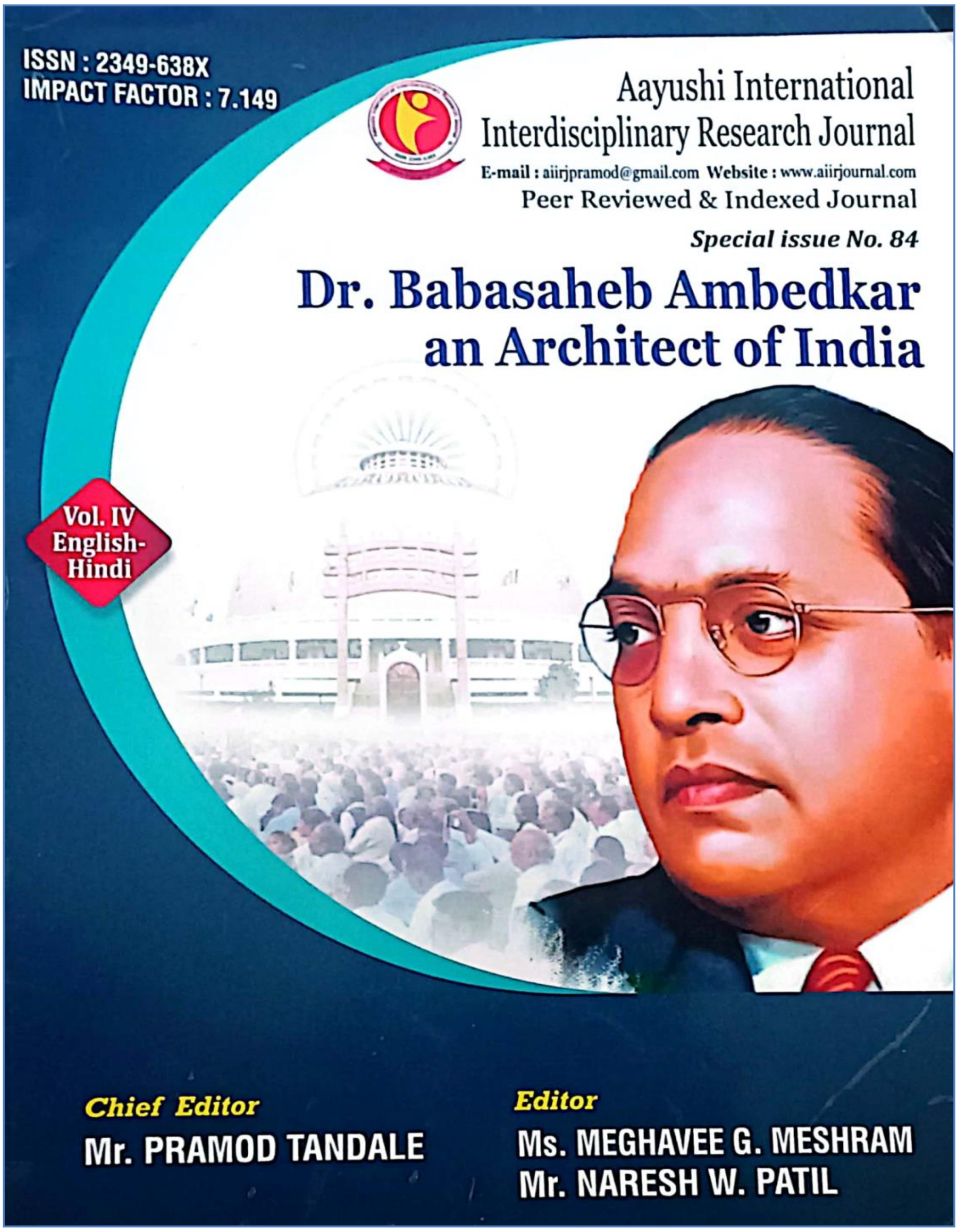

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Theme of the Special Issue Dr.Babasaheb Ambedkar : An Architect of India (Special Issue No.84)	ISSN 2349-638x Impact Factor 7.149	14th April 2021

Sr. No.	Name of the Author	Title of the Paper	Page No.
184	डॉ. गौरी सिंह परते	डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान	838
185	गौरव रंजन डॉ. सुजीत कुमार	अम्बेडकर द्वारा स्थापित न्याय एवं चेतना	843
186	दिव्या मिश्रा डॉ तृषा शर्मा	एक महान राजनैतिक विचारक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर	848
187	डॉ नीलम सिंह उमेश यादव	डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर : एक अर्थशास्त्री के रूप में	852
188	सिध्दार्थकुमार किसाभाई चावडा	डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का भारत में श्रम आंदोलन	859
189	डॉ दीपरत्ना मासुलकर	डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर और महिला सशक्तिकरण	865
190	डॉ. (श्रीमति) पप्पी चैहान	डॉ. भीमराव अम्बेडकर और सामाजिक सुधार	871
191	रामा नन्दन सिंह	दलित-चिन्तन और अम्बेडकरवाद	876
192	विरेन्द्र कुमार सैनी वरूण कुमार	डॉ. भीमराव आम्बेडकर -एक अर्थशास्त्री	881
193	डॉ. शाहिदा बेगम मंसूरी	डॉ. भीमराव अम्बेडकर तथा सामाजिक परिवर्तन (भारत के संदर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन)	885
194	संतोष कुमार	बाबासाहेब आंबेडकर और महिला अधिकार	890
195	डॉ हितेशकुमार लालसिंहभाई बामनिया	डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर और हिंदू कोड बिल	895
196	स्नेहलता	भारतीय राजनीतिक विचारक: डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर	901

Aayushi International Interdisciplinary Research Journal M

Peer Reviewed and Indexed Journal website : www.aiirjournal.com Email : aiirjpramod@gmail.com Mob.No.8999250451

Paper Published by – Dr. Shaheda Begam Mansuri

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

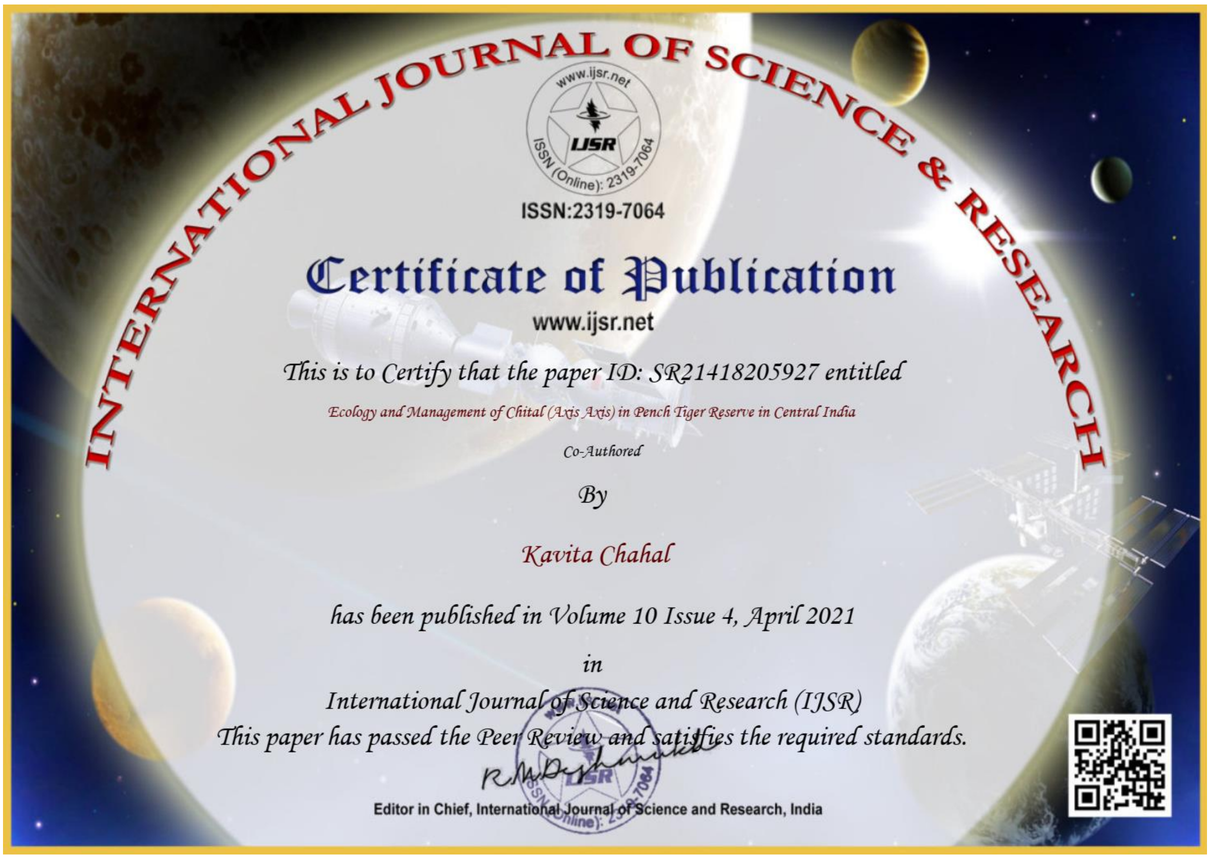

INTERNATIONAL JOURNAL OF SCIENCE & RESEARCH

ISSN:2319-7064

Certificate of Publication

www.ijsr.net

This is to Certify that the paper ID: SR21418205927 entitled

Ecology and Management of Chital (Axis Axis) in Pench Tiger Reserve in Central India

Co-Authored

By

Kavita Chahal

has been published in Volume 10 Issue 4, April 2021

in

International Journal of Science and Research (IJSR)

This paper has passed the Peer Review and satisfies the required standards.

Editor in Chief, International Journal of Science and Research, India

Paper published by – Dr. Kavita Chahal

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

SPJMR
SURAJ PUNJ JOURNAL FOR MULTIDISCIPLINARY RESEARCH
An ISO : 7021 - 2008 Certified Journal
ISSN NO: 2394-2886 / web : http://spjmr.com// e-mail : submitspjmr@gmail.com
Address : B13/7- UA, Armament, Pune, India - 411021.

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that the paper entitled

RESPONSE OF MICROBIAL BIOMES, ESPECIALLY FUNGI TO GLOBAL CLIMATE CHANGE

Authored by

DR. KAVITA CHAHAL

From

Government College, Bichhua, Chhindwara, M.P, India

Has been published in

SPJMR JOURNAL, VOLUME 11, ISSUE 12, DECEMBER- 2021.

DOI : 16.10089/SPJMR

Dr. K.M. Pandey
Editor-In-Chief
SPJMR
http://spjmr.com

6.1 IMPACT FACTOR

ISO International Organization for Standardization 7021-2008

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@ gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@ mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Journal of Interdisciplinary Cycle Research
An UGC-CARE Approved Group - II Journal
An ISO : 7021 - 2008 Certified Journal
ISSN NO: 0022-1945 / web : http://jicrjournal.com / e-mail: submitjicrjournal@gmail.com

Certificate of Publication

This is to certify that the paper entitled   Certificate Id: JICR/5434

"Finding Solutions to Everchanging Climate"

Authored by :

Kavita Chahal

From

Government College Bichhua Chhindwara, Madhya Pradesh 480111

Has been published in

JICR JOURNAL, VOLUME XIII, ISSUE XI, NOVEMBER- 2021

Dr. R. Rezwana Begum, Ph.D Editor-In-Chief
JICR JOURNAL

6.2 IMPACT FACTOR

ISO International Organization for Standardization 7021-2008

http://jicrjournal.com

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Journal of Interdisciplinary Cycle Research

An UGC-CARE Approved Group - II Journal

An ISO : 7021 - 2008 Certified Journal

ISSN NO: 0022-1945 / web : http://jicrjournal.com / e-mail: submitjicrjournal@gmail.com

Certificate of Publication

This is to certify that the paper entitled — Certificate Id: JICR/5428

"Features of Learning Management Systems (LMS) for Improving Teaching and Learning"

Authored by :

Kavita Chahal

From

Government College Bichhua Chhindwara, Madhya Pradesh 480111

Has been published in

JICR JOURNAL, VOLUME XIII, ISSUE XI, NOVEMBER- 2021

Dr. R. Rezwana Begum, Ph.D Editor-In-Chief
JICR JOURNAL

6.2 IMPACT FACTOR

ISO International Organization for Standardization 7021-2008

http://jicrjournal.com

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Certificate of Publication

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS | ISSN: 2320 - 2882

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

The Board of

International Journal of Creative Research Thoughts

Is hereby awarding this certificate to

Dr. Kavita Chahal

In recognition of the publication of the paper entitled

AN OVERVIEW OF VARIOUS FORMS OF ALTERNATIVE MEDICINE IN MODERN SOCIETY

Published In IJCRT (www.ijcrt.org) & 7.97 Impact Factor by Google Scholar

Volume 9 Issue 12 , Date of Publication:December 2021 2021-12-18 19:12:09

UGC Approved Journal No: 49023 (18)

PAPER ID : IJCRT2112282

Registration ID : 213974

EDITOR IN CHIEF

Scholarly open access journals, Peer-reviewed, and Refereed Journals, Impact factor 7.97 (Calculate by google scholar and Semantic Scholar | AI-Powered Research Tool) , Multidisciplinary, Monthly Journal

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS | IJCRT

An International Scholarly, Open Access, Multi-disciplinary, Indexed Journal

Website: www.ijcrt.org | Email id: editor@ijcrt.org | ESTD: 2013

IJCRT | ISSN: 2320-2882 | IJCRT.ORG

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

6/26/24, 11:31 AM Home | Applied Biochemistry and Biotechnology

SPRINGER LINK Log in

Menu Search Cart

Home Applied Biochemistry and Biotechnology

Applied Biochemistry and Biotechnology

Publishing model
Hybrid

Submit your manuscript →

Editorial board

Aims and scope

Journal updates

Overview

Applied Biochemistry and Biotechnology is a journal dedicated to publishing innovative papers in biochemistry and biotechnology.

Includes reports of technological subjects in the proof-of-concept stage.
Provides a forum for case studies, reviews, news items, and more.
Authors have the choice to publish using either the traditional publishing route or immediate gold Open Access.
There are no publication charges except for special services.
The journal offers color art free of charge for print and online publication.

Editor-in-Chief
Jonathan Sachs

Impact factor
3.1 (2023)

5 year impact factor
2.9 (2023)

Submission to first decision (median)

https://link.springer.com/journal/12010 1/5

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111
Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109
Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Optimization of Fermentation Medium for Indole Acetic Acid Production by *Pseudarthrobacter* sp. NIBRBAC000502770

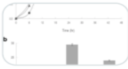

Original Article | 30 March 2021 | Pages: 2567 - 2579

A Remixed-Fermentation Technique for the Simultaneous Bioconversion of Corncob C6 and C5 Sugars to Probiotic *Bacillus subtilis*

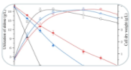

Original Article | 30 March 2021 | Pages: 2580 - 2590

Increasing the Production of β-Glucan from *Saccharomyces carlsbergensis* RU01 by Using Tannic Acid

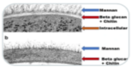

Original Article | Open access | 31 March 2021 | Pages: 2591 - 2601

In Situ Chemical Locking of Acetates During Xylo-Oligosaccharide Preparation by Lignocellulose Acidolysis

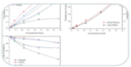

Original Article | 01 April 2021 | Pages: 2602 - 2615

Bio-cleaning Efficiency of Rhamnolipids Produced from Native *Pseudomonas aeruginosa* Grown on Agro-industrial By-products for Liquid Detergent Formulation

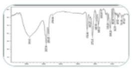

Original Article | 07 April 2021 | Pages: 2616 - 2633

Huntington's Chorea—a Rare Neurodegenerative Autosomal Dominant Disease: Insight into Molecular Genetics, Prognosis and Diagnosis

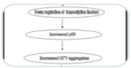

Review Article | 07 July 2021 | Pages: 2634 - 2648

Aspects and Recent Trends in Microbial α-Amylase: a Review

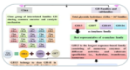

Review Article | 14 March 2021 | Pages: 2649 - 2698

Emerging Roles of PETase and MHETase in the Biodegradation of Plastic Wastes

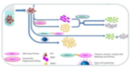

Review Article | 01 April 2021 | Pages: 2699 - 2716

For authors

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

SPRINGER LINK Log in
Menu Search Cart
Home Applied Biochemistry and Biotechnology Article

Aspects and Recent Trends in Microbial α-Amylase: a Review

Review Article Published: 14 March 2021
Volume 193, pages 2649–2698, (2021) Cite this article

Applied Biochemistry and Biotechnology
Aims and scope
Submit manuscript

Jai Shankar Paul, Nisha Gupta, Esmil Beliya, Shubhra Tiwari & Shailesh Kumar Jadhav

4220 Accesses 44 Citations Explore all metrics →

Abstract

α-Amylases are the oldest and versatile starch hydrolysing enzymes which can replace chemical hydrolysis of starch in industries. It cleaves the α-(1,4)-D-glucosidic linkage of starch and other related polysaccharides to yield simple sugars like glucose, maltose and limit dextrin. α-Amylase covers about 30% shares of the total enzyme market. On account of their superior features, α-amylase is the most widely used among all the existing amylases for hydrolysis of polysaccharides. Endo-acting α-amylase of glycoside hydrolase family 13 is an extensively used biocatalyst and has various biotechnological applications like in starch processing, detergent, textile, paper and pharmaceutical industries. Apart from these, it has some novel applications including polymeric material for drug delivery, bioremediating agent, biodemulsifier and biofilm inhibitor. The present review will accomplish the research gap by providing the unexplored aspects of microbial α-amylase. It will allow the readers to know about the works that have already been done and the latest trends in this field. The manuscript has covered the latest immobilization techniques and the site-directed mutagenesis approaches which are readily being performed to confer the desirable property in wild-type α-amylases. Furthermore, it will state the inadequacies and the numerous obstacles coming in the way of its production during upstream and downstream steps and will also suggest some measures to obtain stable and industrial-grade α-amylase.

By – Esmil Beliya

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O="GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

International Journal of Research in Engineering and Science (IJRES)
ISSN (Online): 2320-9364, ISSN (Print): 2320-9356
www.ijres.org Volume 9 Issue 4 | 2021 | PP. 50-52

Synthesis, Characterisation, Antibacterial and Antifungal activity of some 1,4 Dihydro -2,6 diethoxy-4-(aryl –substituted/2-furyl) pyridine -3,5- di- β -naphthamide derivatives

Anil Kumar Ahirwar[1]* and Santosh Narayan Chadar[2]
Department of Chemistry[1], Govt. P.G. College Bichhua, Chhindwara (M.P.), India
Department of Chemistry[2], Govt. Shyam Sundar Agrawal P.G. College, Sihora, Jabalpur (M.P.), India

Abstract:-
1,4-Dihydro- 2,6 diethroy -4- (aryl –substituted/2-furyl) pyridine 3,5 – di – β - naphthamide derivatives were prepared in two steps. (I) 1,4 – dihydro – 2,6 – diethoxy – 4- (aryl substituted/2-furyl) pyridine 3,5 – dicarboxylic acid diethylester, were prepared by malonic ester, aromatic aldehyde and ammonia in presence of ethanol (I). I' on treatment with β -naphthyl amine and 1,4 dioxan gave 1,4- Dihydro- 2,6 diethoxy-4- (aryl – substituted/2-furyl) pyridine-3,5- di β - naphthamide (II).
1,4 – dihydropyridine and its derivatives[1] are the most important class of calcium channel modulators [2]. They have been reported to posses' weak analgesic, carare like properties[3], antitumour[4], and coronary dilating activating New derivatives of 1,4- dihydropyridine were tested for antihypertensive active by shinde et al.[5]
Keywords: *- 1,4 Dihydropyridene, di-β –naphthalamide, Antibacterial, Antifungal activity*

Date of Submission: 20-03-2021 Date of acceptance: 04-04-2021

I. REACTION SCHEME-I

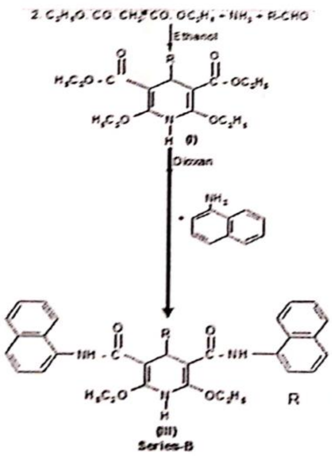

R = C6 H5
=-4–Cl C6 H5
=-4-OCH3 C6H4
= -2 Furfuryl
= -4-0H-3-OCH3 C6H3

By – Anil Kumar Ahirwar

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

SPRINGER LINK Log in

Menu Search Cart

Home Extremophiles

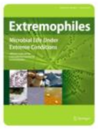

Extremophiles

Microbial Life Under Extreme Conditions

Publishing model
Hybrid

Submit your manuscript →

ISE

Editorial board

Aims and scope

Journal updates

Overview

Extremophiles features original research articles, reviews, and method papers on the biology, molecular biology, structure, function, and applications of microbial life at the edges of survivability. Conditions covered include high or low temperature, pressure, acidity, alkalinity, salinity, or desiccation; or in the presence of organic solvents, heavy metals, normally toxic substances, or radiation.

The coverage incorporates aspects of multiple disciplines, including molecular biology, biodiversity, genetics, genomics, metagenomics, proteomics, bioinformatics, survival strategies, macromolecular structure, biotechnology, fermentation technology, ultrastructure, biotransformation, metabolism, enzymology, biomembranes, bioenergetics, biophysics, physiology, cell biology, symbiosis, ecology, bioremediation, methodologies, evolution, phylogeny, taxonomy, astrobiology, and others.

Color figures are free in print and online.

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

SPRINGER LINK Log in
Menu Search Cart
Home Extremophiles Article

Molecular strategies to enhance stability and catalysis of extremophile-derived α-amylase using computational biology

Review Published: 22 March 2021
Volume 25, pages 221–233, (2021) Cite this article

Extremophiles
Aims and scope
Submit manuscript

Nisha Gupta, Esmil Beliya, Jai Shankar Paul, Shubhra Tiwari, Shriram Kunjam & Shailesh Kumar Jadhav

1020 Accesses 8 Citations Explore all metrics →

Abstract

α-Amylase is the most significant glycoside hydrolase having applications in various industries. It cleaves the α,1–4 glucosidic linkages of polysaccharides like starch, glycogen to yield a small polymer of glucose in α-anomeric configuration. α-Amylase is produced by all the three domains of life but microorganisms are preferred sources for industrial-scale production due to several advantages. Enormous studies and research have been done in this field in the past few decades. Still, it is requisite to work on enzyme stability and catalysis, as it loses its functionality in extreme. As the enzyme loses its structural and catalytic property under extreme environmental conditions, it is mandatory to confer some potential strategies for enhancing enzyme behaviour in such conditions. This limitation of an enzyme can be overcome up to some extent by extremophiles. They serve as an excellent source of α-amylase with outstanding features. This review is an attempt to encapsulate some structure-based strategies for improving enzyme behaviour thereby enabling researchers to selectively amend any of the strategies as per requirement during upstream and downstream processing for higher enzyme yield and stability. Thus, it will provide some cutting-edge strategies for tailoring α-amylase producing organism and enzyme with the help of several computational biology tools.

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109
Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Extremophiles
https://doi.org/10.1007/s00792-021-01223-2

REVIEW

Molecular strategies to enhance stability and catalysis of extremophile-derived α-amylase using computational biology

Nisha Gupta[1] · Esmil Beliya[1,2] · Jai Shankar Paul[1] · Shubhra Tiwari[1] · Shriram Kunjam[3] · Shailesh Kumar Jadhav[1]

Received: 1 February 2021 / Accepted: 10 March 2021
© The Author(s), under exclusive licence to Springer Japan KK, part of Springer Nature 2021

Abstract

α-Amylase is the most significant glycoside hydrolase having applications in various industries. It cleaves the α,1–4 glucosidic linkages of polysaccharides like starch, glycogen to yield a small polymer of glucose in α-anomeric configuration. α-Amylase is produced by all the three domains of life but microorganisms are preferred sources for industrial-scale production due to several advantages. Enormous studies and research have been done in this field in the past few decades. Still, it is requisite to work on enzyme stability and catalysis, as it loses its functionality in extreme. As the enzyme loses its structural and catalytic property under extreme environmental conditions, it is mandatory to confer some potential strategies for enhancing enzyme behaviour in such conditions. This limitation of an enzyme can be overcome up to some extent by extremophiles. They serve as an excellent source of α-amylase with outstanding features. This review is an attempt to encapsulate some structure-based strategies for improving enzyme behaviour thereby enabling researchers to selectively amend any of the strategies as per requirement during upstream and downstream processing for higher enzyme yield and stability. Thus, it will provide some cutting-edge strategies for tailoring α-amylase producing organism and enzyme with the help of several computational biology tools.

Keywords α-Amylase · Computational biology · Extremophiles · Glycoside hydrolase · Structural insights

Introduction

Enzymes are the most vital bio-product needed for sustaining life on earth. In recent years, α-amylase has significantly replaced the chemical hydrolysis of starch in industries. α-Amylase (α-1,4-glucan 4-glucanohydrolase, EC 3.2.1.1) is an endo-acting hydrolyzing enzyme responsible for the breakdown of α,1–4 glucosidic linkages of starch and other related polysaccharides to yield maltooligosaccharides, glucose, and limit dextrin in an α-anomeric form (Machius et al. 1995; Yadav 2012; Al-Dhabi et al. 2020; Abd-Elaziz et al 2020; Janeček and Zámocká 2020). The total contribution of α-amylases in the enzyme market is about 30% and hence occupies the second position after proteases (Wu et al. 2018; Allala et al. 2019; Wang et al. 2019a; Abd-Elaziz et al. 2020). It is synthesized by microorganisms, plants, and animals. But for large-scale production, microorganisms are generally selected. Microorganisms are preferred because they offer cheaper large-scale production, ease of genetic engineering approaches, enormous strain availability etc. (Abdel-Fattah et al. 2013; Abd-Elhalem et al. 2015; Afrisham et al. 2016). It is extensively used in several industries and plays a substantial role in them (Table 1).

Despite having lots of industrial applications there are certain shortcomings related to the use of α-amylase. They tend to drop their structural conformations, stability, and catalysis when allowed to work in extreme conditions (Ahmed et al. 2020). To overcome this sensitivity of α-amylase towards harsh conditions, researchers are seeking sources living in extreme environmental conditions. Extremophiles are the organism inhabiting such harsh environment

Communicated by S. Albers.

Nisha Gupta, Esmil Beliya have contributed equally as first author.

✉ Jai Shankar Paul
jaishankar_paul@yahoo.com

1 School of Studies in Biotechnology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, CG 492010, India

2 Department of Botany, Govt. College, Bichhua, Chhindwara, MP 480111, India

3 Department of Botany, Govt. VYPT PG Autonomous College, Durg, CG 491001, India

Published online: 22 March 2021

Springer

By – Esmil Beliya

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

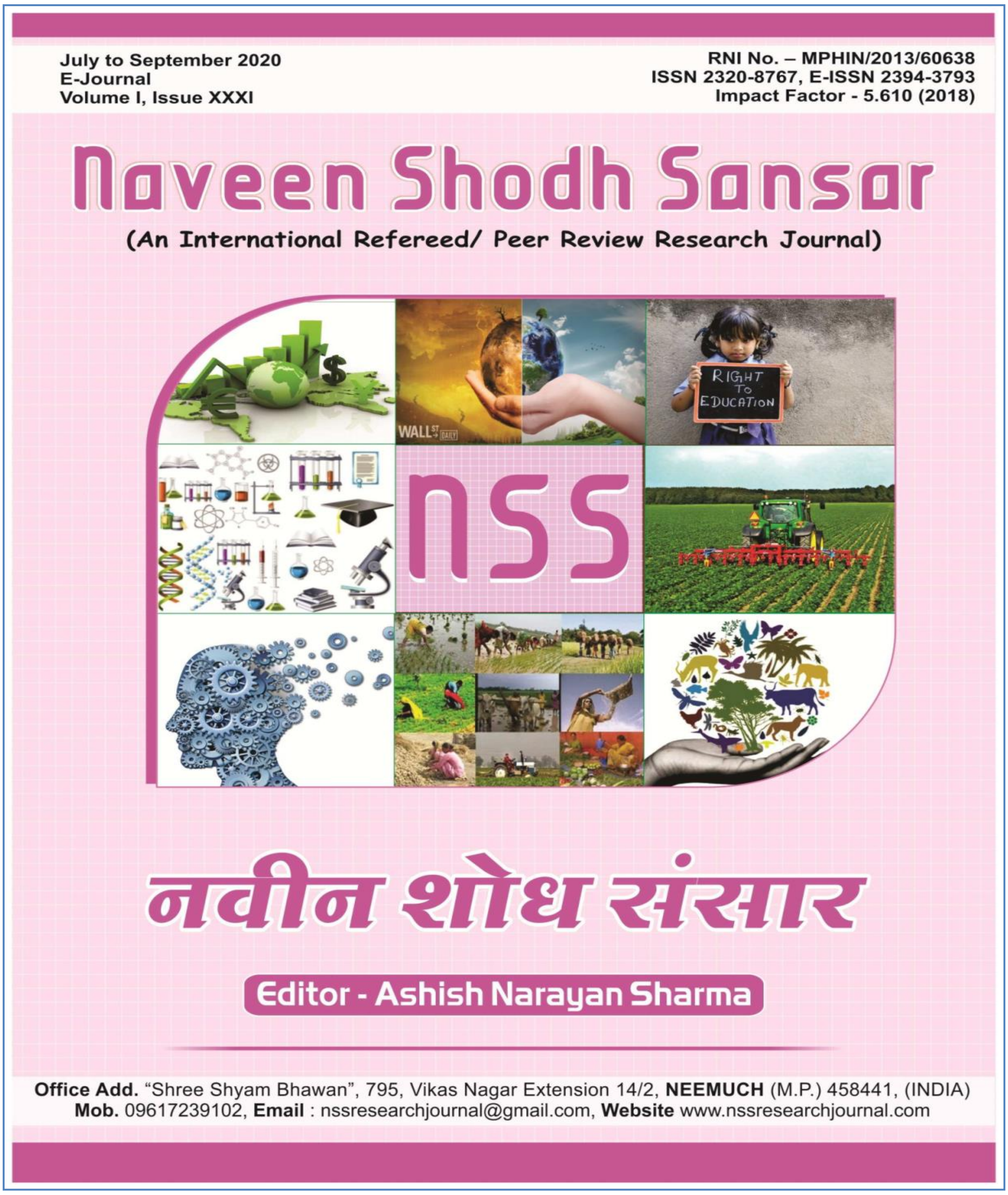

July to September 2020
E-Journal
Volume I, Issue XXXI

RNI No. – MPHIN/2013/60638
ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793
Impact Factor - 5.610 (2018)

Naveen Shodh Sansar

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

NSS

नवीन शोध संसार

Editor - Ashish Narayan Sharma

Office Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, **NEEMUCH** (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, **Email** : nssresearchjournal@gmail.com, **Website** www.nssresearchjournal.com

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July to September 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXI 3

24. सत्ता हस्तान्तरण में 1857 की भूमिका (डॉ. कुन्दन कुमार) 74
25. मध्यकालीन बीकानेर राज्य में विवाह संस्कार के स्वरूप का विश्लेषणात्मक अध्ययन 76
(शिवरतन सिंह यादव, अजय गोदारा)
26. यशपाल की कहानियों में चित्रित रूपाजीवा (दीपक सिंह) 78
27. भारत चीन सम्बन्धों का बदलता परिदृश्य (डॉ. श्रीकांत दुबे) 80
28. कोविड-19 के भावी सकारात्मक सामाजिक प्रभाव (डॉ. विभा वासुदेव) 83
29. भारत में लोकतन्त्र : सबल और दुर्बल पक्ष (डॉ. विनीता भालसे, डॉ.गिरधारीलाल भालसे) 85
30. ठाकुर प्रसाद सिंह के व्यक्ति व्यंजक निबन्ध-अवधारण एवं विश्लेषण (डॉ. हरि नारायण राम) 87
31. भारत में औद्योगिक विवाद: एक अध्ययन (डॉ. संदीप कुमार अग्रवाल) 89
32. उपरोक्ता संरक्षण: जागरूकता की एक पहल (डॉ. विवेक कुमार मिश्र) 92
33. योग विज्ञान में रोजगार के अवसर (डॉ. जी. एल. मालवीय, डॉ. खुमेश सिंह ठाकुर) 95
34. लॉक डाउन और बढ़ती हुई घरेलू हिंसा (डॉ. फरहत मंसूरी) 98
35. नई शिक्षा नीति : प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा तथा वर्तमान परिदृश्य में चुनौतियाँ 100
(डॉ. आर.के. अरोरा, डॉ. अंजना पाटनवाला)
36. 'हो' भाषा लोक जीवन में साहित्य का अध्ययन (सेवित देवगम) 103
37. भारतीय समकालीन कला में न्यू मीडिया आर्ट (सूरज सोनी, डॉ. सुरेश शर्मा) 105
38. The Study on Speed and Agility Fitness Varrable Between Resiedential and Non 108
Residential School Players in the Madhya Pradesh (**Punit Gupta, Dr. Jogendra Singh Khangharot, Dr. Hemant Pandey**)
39. Yield, Growth and Development of Rapeseed Mustard and Other Field Crops With 111
Different Saline Water (Harish Kumar)
40. Ethnobotanical Investigation of some economic gums plants are used by Tribals of 114
Dhar district, Madhya Pradesh, India (Dr. Kamal Singh Alawa)
41. Khajuraho: A Socio Political story carved on Historical stones by Literary words 116
(Dr. Archana Kashyap, Prof. Ojaswee Shirole, Dr. Sehba Jafri, Dr. Veena Kurre)
42. GMO's Applications uses, advantages and dis-advantages (Sharad Kumar Singhariya) 120
43. मकान की समस्या (कुलदीप) 123
44. कला और संस्कृति (डॉ. मन्जू गर्ग) 125
45. वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भ्रष्टाचार का प्रभाव (डॉ. रामजी वर्मा) 128
16. पद्माकर के काव्य में युग-बोध (डॉ. रंजना मिश्रा) 130
47. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के कार्यों से हो रहे ग्रामीण विकास का : एक विश्लेषण 133
(डॉ. संजय कुमार साकेत)
48. गांधीजी की शिक्षा नीति की प्रासंगिकता : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में (डॉ. विद्या चौधरी) 135
49. कोविड-19 महामारी के कालखण्ड में, भारतीय न्यायपालिका की भूमिका का सहकारी संघवाद पर प्रभाव 138
(डॉ. विकास कुमार दीक्षित)

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July to September 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXI 98

लॉक डाउन और बढ़ती हुई घरेलू हिंसा

डॉ. फरहत मंसूरी*

मुख्य शब्द – समाज, लॉक डाउन, घरेलू हिंसा, निम्न वर्ग, मध्यम वर्ग, उच्च वर्ग, परिवार।

प्रस्तावना – प्रस्तुत शोध पत्र में लॉकडाउन और बढ़ती हुई घरेलू हिंसा का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन किया गया है। वर्तमान समय में पूरे विश्व में महामारी का दौर चल रहा है, इस महामारी को आम जनता नोवेल कोरोना वायरस के नाम से जानती है तथा डब्ल्यू.एच.ओ. ने इसमहामारी को कोविड–19 का नाम दिया है। भारत में कोरोना वायरस का पहला मामला केरल में सामने आया और इस बिमारी ने धीरे–धीरे पूरे भारत में भी संक्रमण फैला दिया जिसके कारण संपूर्ण भारत में 22 मार्च 2020 को जनता कर्फ्यू और उसके बाद लॉकडाउन कर दिया गया था। यह लॉकडाउन चार चरणों में किया गया था। इस लॉकडाउन ने समाज को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से प्रभावित किया है। हमने इस शोधपत्र में लॉकडाउन का बढ़ती हुई घरेलु हिंसा पर प्रभाव का एक समाजषास्त्रीय अध्ययन किया है। लॉकडाउन ने जहां एक ओर संपूर्ण परिवार को एक साथ समय व्यतीत करने का अवसर प्रदान किया वहीं पर कुछ परिवारों में कलह, मारपीट देखने को मिली और घरेलू हिंसा के मामलों में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है।

प्रस्तुत शोध पत्र में सबसे पहले घरेलू हिंसा के बारे में बताना चाहूंगी। घरेलू हिंसा एक ऐसा कृत्य है जिसमें किसी भी महिला एवं बच्चे (जो 18 वर्ष से भी कम आयु के बालक एवं बालिका) के साथ मारपीट, गाली गलोच, घुरना, अपमान, घर के किसी हिस्से के प्रयोग पर पाबंदी लगाना, उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा न करना, जीवन पर संकट, आर्थिक क्षति, महिला और बच्चे को दुख पहुंचाना, इन सभी को घरेलू हिंसा के दायरें में रखा जाता है। इस शोध पत्र के माध्यम से बताना चाहूंगी कि भारत में घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, के अनुसार घरेलू हिंसा में महिलाओं के विरूद्ध, पुरूषों के विरूद्ध घरेलू हिंसा, बच्चों और बुजुर्गों के विरूद्ध हिंसा भी शामिल है। शोधपत्र में लॉकडाउन और बढ़ती हुई घरेलू हिंसा के बारे में बताया गया है।

शोध की अध्ययन पद्धति – प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति का उपयोग करते हुए 60 उत्तरदाताओं से संपर्क कर फोन के माध्यम से साक्षात्कार लिया गया एवं साथ ही गूगल फार्म का उपयोग करते हुए तथ्यों को एकत्र किया गया है।

शोध की उपकल्पना – लॉकडाउन के दरमियान महिलाओं में घरेलू हिंसा का प्रभाव बढ़ा है।

शोध के उद्देश्य :

1. घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की जानकारी प्राप्त करना।
2. लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा की जानकारी प्राप्त करना।
3. महिलाओं में घरेलू हिंसा कानून के प्रति जागरूकता की जानकारी प्राप्त करना।

घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलओं की जानकारी प्राप्त करना –

क्र.	विवरण	हां	नहीं	योग
1	क्या आप घरेलू हिंसा का शिकार हुई है?	80%	20%	100%

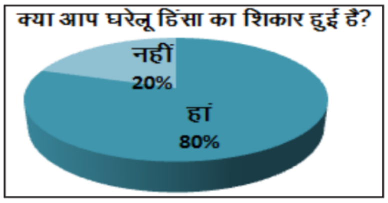

अध्ययन के दौरान फोन के माध्यम से साक्षात्कार लिया गया एवं साथ ही गूगल फॉर्म के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है कि 80 प्रतिशत महिलायें घरेलू हिंसा का शिकार हुई हैं। अध्ययन के माध्यम से पता चला है कि इस 80 प्रतिशत में पढ़ी–लिखी और नौकरी पेशा महिलायें भी घरेलू हिंसा का सामना कर रही हैं। घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं में निम्न वर्गीय परिवार के साथ साथ उच्च और मध्यम वर्गीय परिवार की महिलायें भी शामिल हैं।

लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं की जानकारी प्राप्त करना

क्र.	विवरण	हां	नहीं	योग
1	घरेलू हिंसा की शिकार महिलायें	80%	20%	100%
अ.	घरेलू हिंसा की शिकार निम्न वर्गीय महिलायें	40%	60%	100%
ब.	घरेलू हिंसा की शिकार मध्यम वर्गीय महिलायें	25%	75%	100%
स.	घरेलू हिंसा की शिकार उच्च वर्गीय महिलायें	15%	85%	100%
2	केवल लॉकडाउन में घरेलू हिंसा की शिकार महिलायें	70%	30%	100%

* सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.) भारत

By – Dr. Farhat Mansoori

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

October to December 2020
E-Journal
Volume I, Issue XXXII

RNI No. – MPHIN/2013/60638
ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793
Impact Factor - 5.610 (2018)

Naveen Shodh Sansar

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

नवीन शोध संसार

Editor - Ashish Narayan Sharma

Office Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, **NEEMUCH** (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, **Email** : nssresearchjournal@gmail.com, **Website** www.nssresearchjournal.com

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E=bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E=hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) Oct. to December 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXII

Index/अनुक्रमणिका

01. Index/ अनुक्रमणिका 02
02. Regional Editor Board / Editorial Advisory Board 06/07
03. Referee Board 08
04. Spokesperson 10
05. Floristic Analysis of Weed Apecies in Crops Fields of Tribal District Dhar, M.P. India (SL Muwel, SC Mehta) 12
06. Trends in Indian Food Processing Industry: Issues, Challenges and Ways Forward (Dr. Kiran Kumar P) 19
07. Synthesis and Biological Evaluation of some new Acid Hydrazones derived from 5 -Aldehydo Salicylic Acid (Malti Dubey (Rawat)) 26
08. Uncertain Historiography of Ajivakas (Dr. Ashish Kumar Chachondia) 29
09. Significance of SAARC (Dr. Shrikant Dubey) 32
10. Analysis of Women Empowerment in India (Dr. Indresh Pachauri) 34
11. Awareness and Attitude on Effects of Substance Abuse Among Adolescents (Dr. Usharani B.) 37
12. Zinc Oxie Nanoparticles in Cosmetic Products (Renuka Thakur, Dr. S.K. Udaipure) 40
13. Effects of COVID 19 on Indian Agriculture (Dr. Savita Gupta) 44
14. Linear, Instantaneous and Compound Growth Rates of Major Food-Grain Crops in India (Suresh Kumar,Sanjeev Kumar) 47
15. Dalchini and Its Benefits (Dr. Rajesh Masatkar) 51
16. Fixed Point Theorems for Quasi- Ontraction with Applications (Dhansingh Bamniya, Basanti Muzalda) 53
17. Study of Zooplankton density and physico-chemical parameters in Man dam district Dhar (M.P.) India (Dr. D. S. Waskel, Dr. K.S. Alawa) 55
18. चम्बल संभाग में बाल लिंगानुपात - एक तुलनात्मक विश्लेषण (पूनम वासनिक) 59
19. महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक स्थिति का अध्ययन (कोरोना वायरस के विशेष संदर्भ में) (डॉ. फरहत मंसूरी) 61
20. वर्तमान समय में हिन्दी नाटक (एन.आर. साव, डॉ. (श्रीमती) बसंत नाग) 64
21. आधुनिक पुस्तकालय प्रबंधन में गुणवत्ता : अवधारणा, उपादेयता एवं महत्व (ओमप्रकाश चौरे) 69
22. शिक्षित जनजाति राजनीतिक चेतना का आकलन (डॉ. भूरेसिंग सोलंकी) 71
23. पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी एवं चुनौतियां (धार जिले के कुक्षी तहसील के विशेष सन्दर्भ में) (डॉ. रेशम बघेल) 73
24. मध्यस्थम् एवम् सुलह अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत विवाद समाधान (रतन सिंह तोमर) 76
25. भारत में तृतीय लिंग की प्रस्थिती (डॉ.पूजा तिवारी) 78
26. कोरोना काल में मानव मुक्ति के मसीहा - गांधी जी (डॉ. वसुधा अग्रवाल) 80

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal) ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) Oct. to December 2020, E-Journal, Vol. I, Issue XXXII (61)

महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक स्थिति का अध्ययन (कोरोना वायरस के विशेष संदर्भ में)

डॉ. फरहत मंसूरी*

शब्द कुंजी – अधिकारी, कर्मचारी, मनोवैज्ञानिक स्थिति, कोरोना वायरस, मानसिक स्वास्थ्य, तनाव।

प्रस्तावना – प्रस्तुत शोध पत्र में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक स्थिति का अध्ययन, कोरोना वायरस के विशेष संदर्भ में किया गया है। कोविड-19 ने वर्तमान समय में पूरे विश्व में महामारी का रूप धरा हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्धारा पूरे विश्व के लिए समय-समय पर गाइडलाइन जारी की गई। कोरोना वायरस ने पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी अपनी जड़े मजबूत कर ली हैं। भारत में कोरोना वायरस का पहला केस केरल में सामने आया और इस बिमारी ने धीरे-धीरे पूरे भारत में भी संक्रमण फैला दिया। कोरोना वायरस का अभी तक कोई इलाज नहीं है। केवल सावधानी ही बचाव है। इसी वजह से आम जनता में कोविड-19 को लेकर भय की स्थिति है। कोरोना वायरस ने महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाला है।

प्रस्तुत शोध पत्र में सबसे पहले मनोविज्ञान के बारे में बताना चाहूंगी। मनोविज्ञान एक ऐसा विज्ञान है जो क्रमबद्ध रूप से प्रेक्षणीय व्यवहार (observation behavior) का अध्ययन करता है तथा मानव के भीतर के मानसिक एवं दैहिक प्रक्रियाओं जैसे चिंतन, भाव, वातावरण की घटनाओं के साथ उनका संबंध जोड़कर अध्ययन करता है। शोधपत्र में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक स्थिति के बारे में बताया गया है।

शोध अध्ययन पद्धति – प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए छिंदवाड़ा जिले के 06 महाविद्यालयों में से 60 अधिकारी, कर्मचारियों का चयन दैव निदर्षन पद्धति का उपयोग करते हुए किया गया। तथ्यों के संकलन के लिए फोन के माध्यम से संपर्क कर साक्षात्कार लिया गया।

शोध की उपकल्पना – कोराना वायरस ने महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाला है।

शोध के उद्देश्य :

1. कोरोना वायरस के चलते महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों की कार्यशैली की जानकारी प्राप्त करना।
2. कोरोना वायरस के चलते महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों के व्यवहार की जानकारी प्राप्त करना।
3. कोविड-19 से सुरक्षा के लिए महाविद्यालय में किए गए उपायों की जानकारी प्राप्त करना।
4. कोविड-19 के कारण महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों में तनाव की स्थिति की जानकारी प्राप्त करना।

कोरोना वायरस के चलते महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों की कार्यशैली की जानकारी प्राप्त करना

क्र.	विवरण	हाँ	नहीं	योग
1	क्या रोज महाविद्यालय आने से आपको संक्रमित होने का डर है?	85%	15%	100%
2	क्या आपको छात्र-छात्राओं के संपर्क में आने से संक्रमित होने का डर है?	90%	10%	100%
3	क्या आप महाविद्यालय का कार्य कोविड-19 के चलते सहजता से कर पा रहे हैं?	20%	80%	100%

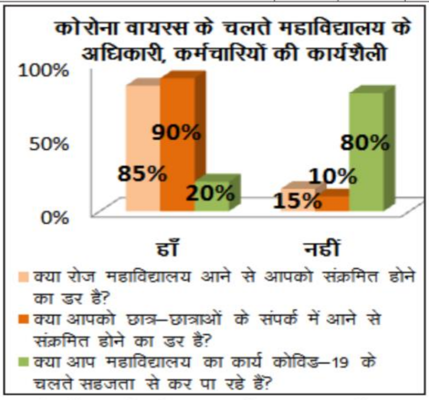

अध्ययन के दौरान फोन के माध्यम से साक्षात्कार लिया गया तथा साक्षात्कार में यह जानकारी प्राप्त हुई है कि 85 प्रतिशत अधिकारी, कर्मचारियों का यह मानना है कि हम रोज महाविद्यालय आते हैं तो संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है, उनका मानना है कि रोटेशन में आने से संक्रमण में आने का खतरा काफी कम हो जाएगा तथा साथ ही 90 प्रतिशत अधिकारी, कर्मचारियों का मानना है कि छात्र-छात्राओं के संपर्क में आने से संक्रमित होने की अधिक संभावना है क्योंकि छात्र-छात्राओं में कोरोना वायरस को लेकर गंभीरता की कमी है। वह सही तरह से सावधानी नहीं बरतते हैं। 80 प्रतिशत अधिकारी, कर्मचारियों का मानना है कि वह महाविद्यालय का कोविड-19 के चलते सहजता से कार्य नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें कार्य के

* सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.) भारत

By – Dr. Farhat Mansoori

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

Office of the Principal, Government College Bichhua
Chhindwara (M.P.) 480111
Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109
Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच शिक्षा एवं कानूनी जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में)

A Sociological Study of Education and Legal Awareness among Undergraduate and Graduate Students (With Special Reference to Chhindwara District)

फरहत मंसूरी
सहायक प्राध्यापक,
समाजशास्त्र विभाग,
शासकीय महाविद्यालय,
बिछुआ, छिंदवाड़ा, म.प्र., भारत

सारांश (Abstract)

प्रस्तुत शोध पत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच शिक्षा एवं कानूनी जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में) किया गया है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास में शासकीय योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं के जीवन स्तर में वृद्धि देखी गई है। महिलायें अब पुरूषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं, शासन से लाभान्वित छात्राओं के कारण अन्य छात्राओं में भी जागरूकता आ रही है।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें निःशुल्क पुस्तकें, नौकरियों में आरक्षण एवं शिक्षा हेतु बैंकों से ऋण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा छात्राओं के कौशल विकास के लिए अनेक व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। सरकारी सुविधाओं के कारण सामाजिक, पारिवारिक मानसिकता में परिवर्तन आया है। साथ ही छात्रायें शिक्षा एवं कानून के प्रति जागरूक हुई हैं।

In the research paper presented, a sociological study of education and legal awareness among undergraduate and postgraduate students (with special reference to Chhindwara district) has been done. Government schemes have an important role in the all-round development of female students, as a result of which the standard of living of women has increased. Women are now walking step by step with men, awareness among other girls is also coming due to the students benefiting from the government.

Free books, reservation in jobs and loans from banks are also being provided to the girls for all round development and many professional courses are being conducted for skill development of the girl students. The social, family mentality has changed due to government facilities. Also, students have become aware of education and law.

मुख्य शब्द : शिक्षा, सामाजिक, पारिवारिक, पाठ्यक्रम, उच्च शिक्षा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर।

Keywords : Education, Social, Family, Curriculum, Higher Education, Graduate and Post Graduate

प्रस्तावना

शोध पत्र में छात्राओं से महिला कानून के प्रति जागरूकता का भी अध्ययन किया गया है। इस विषय में छात्राओं से साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। भारत जैसे विकासशील देशों में महिला शोषण की प्रकृति के कारण महिलाओं को समाज में दोयम दर्जा प्राप्त होना एक दूषित मानसिकता है, जिसके कारण महिलायें समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने में असफल रहती है। अतः महिलाओं को शोषण से बचाने एवं उनकी स्थितियों को ऊँचा उठाने के लिए नये कानून बनाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सोच बदलने की एवं समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है।

शोध का क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धति

प्रस्तुत शोधपत्र में अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए छिंदवाड़ा जिले के 14 शासकीय एवं 19 अशासकीय महाविद्यालयों में से छात्राओं की संख्या के आधार पर 6 महाविद्यालयों का चुनाव मेरिट के आधार पर किया गया है। मेरे द्वारा अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए 300 उत्तरदाताओं का चयन स्तरीकृत दैव निदर्शन पद्धति के द्वारा किया गया है।

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

शोध के उद्देश्य

1. शिक्षा से तात्पर्य
2. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए परिवार की स्वीकृति प्राप्त करने की जानकारी प्राप्त करना
3. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं द्वारा परीक्षा की तैयारी हेतु पाठ्यक्रम के लिए प्रयुक्त किये गये साधन की जानकारी प्राप्त करना।
4. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में संविधान के द्वारा प्राप्त अधिकारों एवं कानूनों की जानकारी प्राप्त करना।

'व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास' स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि 'अपनी इच्छा शक्ति और भावों को नियंत्रित कर लिया जाए और वह लाभदायक बन जाए तो वह शिक्षा है।' शिक्षा एक व्यक्ति का संपूर्ण विकास करती है, शिक्षा का अर्थ केवल विशेषज्ञ पैदा करना नहीं है बल्कि शिक्षा से नैतिक, सामाजिक और कलात्मक विकास के साथ साथ विवेकशीलता भी बनती है। हम एक शिक्षित व्यक्ति से यह अपेक्षा करते हैं कि वह विवेकशील होकर उत्तरदायी एवं नैतिकतापूर्ण ढंग से व्यवहार करें।

तालिका क्रमांक 1
उच्च शिक्षा की प्राप्ति के लिए परिवार की स्वीकृति

क्र.	तथ्य	स्नातक स्तर	स्नातकोत्तर स्तर
1	उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सहज स्वीकृति प्राप्त हुई	88%	70%
2	उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए परिवार पर दबाव बनाकर ली गई स्वीकृति	12%	30%
2.1	भाई के द्वारा दबाव	4%	12%
2.2	माँ द्वारा	3%	12%
2.3	करीबी रिश्तेदार के द्वारा दबाव	3%	8%
2.4	पड़ोसी / दोस्त / शिक्षक	2%	4%
	योग	**100%**	**100%**

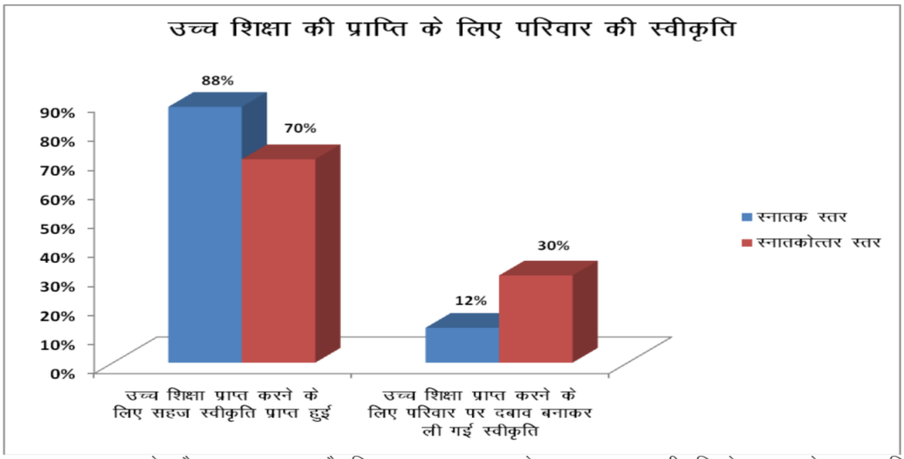

अध्ययन के दौरान पाया गया है कि स्नातक स्तर की 88 प्रतिशत छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सहज स्वीकृति प्राप्त हुई एवं 12 प्रतिशत छात्राओं को दबाव बनाकर स्वीकृति लेना पड़ा, ये दबाव परिवार के मुखिया पर माँ, भाई, करीबी रिश्तेदार, पड़ोसी, दोस्त एवं शिक्षक के द्वारा बनाया गया जिसमें 4 प्रतिशत परिवारों में

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

दबाव भाई के द्वारा बनाया गया। 3 प्रतिशत परिवारों में दबाव करीबी रिश्तेदार के द्वारा बनाया गया एवं 3 प्रतिशत परिवारों में दबाव माँ के द्वारा तथा 2 प्रतिशत परिवारों में छात्राओं को उच्च शिक्षा की प्राप्ति के लिए स्वीकृति दिलाने में दोस्त, पड़ोसी, शिक्षकों की भूमिका रही। परंतु इन सब के बाद भी हमारा समाज पुरूष प्रधान होने के कारण छात्राओं को उच्च शिक्षा, प्राप्त करने के लिए स्वीकृति देने में परिवार के मुखिया की मुख्य भूमिका होती है।

तालिका क्रमांक 2
परीक्षा की तैयारी हेतु पाठ्यक्रम के लिए प्रयुक्त किये गये साधन

क्र.	विवरण	स्नातक स्तर	स्नातकोत्तर स्तर
1	20 प्रश्न का उपयोग करने वाली छात्रायें	52%	45%
2	विद्या गाइड का उपयोग करने वाली छात्रायें	10%	12%
3	टेक्स्ट बुक्स का उपयोग करने वाली छात्रायें	09%	15%
4	शिक्षक के नोट्स का उपयोग करने वाली छात्रायें	12%	15%
5	टेक्स्ट बुक्स + शिक्षक के नोट्स का उपयोग करने वाली छात्रायें	17%	13%
	योग	**100%**	**100%**

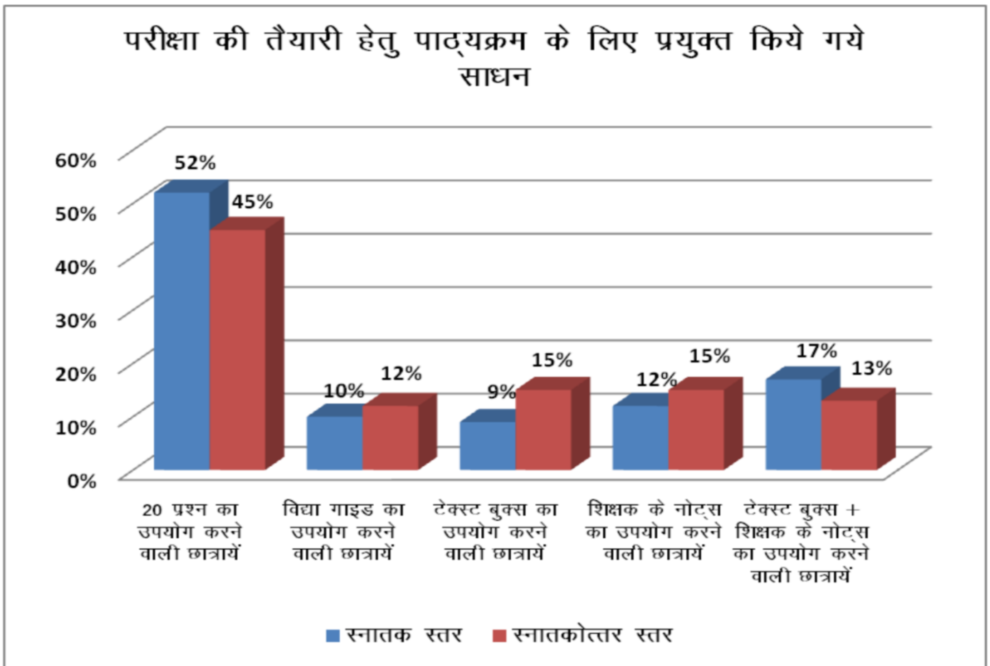

अध्ययन के दौरान पाया गया है कि स्नातक स्तर पर 52 प्रतिशत छात्रायें परीक्षा की तैयारी हेतु 20 प्रश्न का उपयोग करती है तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 45 प्रतिशत छात्रायें 20 प्रश्न का उपयोग कर रही है। विद्या

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X
Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika

गाइड का उपयोग करने वाली छात्राओं का प्रतिशत स्नातक स्तर पर 10 प्रतिशत है एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 12 प्रतिशत। तालिका से स्पष्ट होता है कि स्नातक स्तर की 9 प्रतिशत छात्रायें तथा स्नातकोत्तर स्तर की 15 प्रतिशत छात्रायें परीक्षा की तैयारी हेतु टेक्स्ट बुक्स का उपयोग करती हैं। स्नातक स्तर पर 12 प्रतिशत छात्रायें परीक्षा की तैयारी के लिए शिक्षकों के नोट्स का उपयोग करती हैं एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 15 प्रतिशत छात्रायें शिक्षकों के नोट्स का उपयोग कर रही हैं। टेक्स्ट बुक्स एवं शिक्षक के नोट्स का उपयोग करने वाली छात्राओं का प्रतिशत क्रमशः 17 प्रतिशत एवं 13 प्रतिशत है स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में।

तालिका क्रमांक 3

स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में संविधान के द्वारा प्राप्त अधिकारों एवं कानूनों की जानकारी प्राप्त करना

क्र.	तथ्य	स्नातक स्तर			स्नातकोत्तर स्तर		
		हाँ	नहीं	योग	हाँ	नहीं	योग
1	छात्राओं में अधिकारों के प्रति जागरूकता	90%	10%	100%	90%	10%	100%
2	छात्राओं में कानून के प्रति जागरूकता	90%	10%	100%	90%	10%	100%

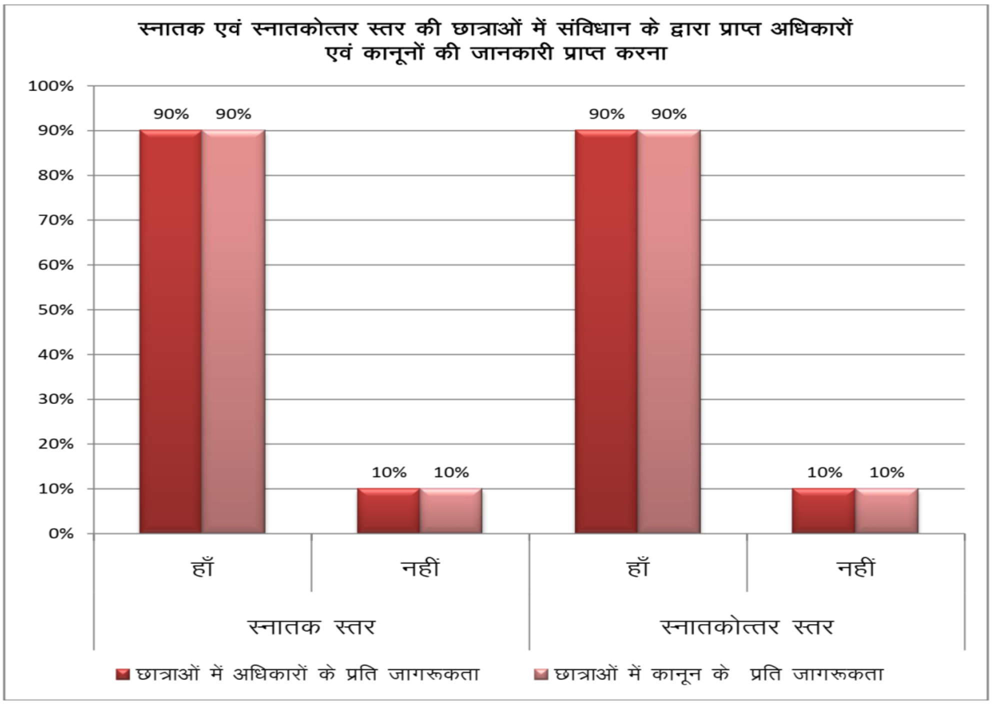

By – Dr. Farhat Mansoori

Digitally signed by DR. POOJA TIWARI
DN: OU=IQAC CO-ORDINATOR, O=" GOVERNMENT COLLEGE, BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. POOJA TIWARI, E= bichhuagovtcollege@gmail.com
Date: 2024.07.31 00:12:56+05'30'

Digitally signed by DR. R. P. YADAV
DN: OU=PRINCIPAL, O="GOVERNMENT COLLEGE BICHHUA, DIST. CHHINDWARA (M.P.)", CN=DR. R. P. YADAV, E= hegcbicchh@mp.gov.on
Date: 2024.07.31 00:13:24+05'30'